कर लो गुरू गुणगान

जीवन है पानी की बूँद

मूल रचयिता : श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्शसागर जी महाराज

जीवन है पानी की बूँद कब मिट जाये रे-ऽऽ
होनी-अनहोनी, हो-हो-२ कब क्या घट जाये रे-ऽऽ
साथ निभायेगा बेटा, सोच रहा लेटा-लेटा
हाय बुढ़ापा आयेगा, पास न आयेगा बेटा
ख्वाबों में तू क्यों, हो-हो-२ आनन्द मनाये रे-ऽऽ
अर्द्धमृतक समवृद्धापन, झुकी कमर सिकुड़न-सिकुड़न
गोदी में पोता-पोती, खोज रहा बचपन यौवन
बीते जीवन के, हो-हो-२ तू गीत सुनाय रे-ऽऽ
हाथों में लकड़ी थामी, चाल हो गई मस्तानी
यम के घर खुद जाने की, जैसे मन में हो ठानी
बेटा बहु सोचें, हो-हो-२ डोकरो कब मर जाय रे-ऽऽ

चारपाई पर लेटा है, पास न बेटी-बेटा है
चिल्लाता है पानी दो, कोई न पानी देता है
भूखा प्यासा ही, हो-हो-२ इक दिन मर जाये रे-ऽऽ

जीवन बीता अरघट में, पुण्य-पाप की करवट में
चढ़कर अर्थी पर जाये, अन्त समय में भी मरघट में
तेरा ही बेटा, हो-हो-२ तेरा कफन सजाये रे-ऽऽ

सिर पर जिसे बिठाया है, गोदी में भी खिलाया है
लाड़ प्यार में पाला है, सुख की नींद सुलाया है
तेरा ही बेटा, हो-हो-२ तुझे आग लगाय रे-ऽऽ

जिसके लिए कमाता है, जीवन साथी बताता है
जिसकी चिन्ता कर करके, अपना चैन गँवाता है
देहरी से बाहर, हो-हो-२ वो साथ न जाये रे-ऽऽ

जीवन है पानी की बूँद कब मिट जाये रे-ऽऽ
होनी-अनहोनी, हो-हो-२ कब क्या घट जाये रे-ऽऽ

कर तू प्रभु का ध्यान

मूल रचयिता : श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्शसागर जी महाराज

कर तू प्रभु का ध्यान – ओ बाबा, कर तू प्रभु का ध्यान।
निज घट में भगवान – ओ बाबा, निज घट में भगवान।।

काँटों में भी जीवन तेरा, फूलों सा खिल जायेगा
खोज रहा है जिसको तू वह, पल भर में मिल जायेगा
खुद को तू पहिचान – ओ बाबा, खुद को तू पहिचान।। १।।

धन-वैभव यह महल-खजाना, कुछ भी साथ न जायेगा
सुबह खिला जो फूल बाग में, साँझ समय मुरझायेगा
कर ले धर्मध्यान-ओ बाबा, कर ले धर्मध्यान।।२।।

कभी किसी का दिल दुःख जाये, ऐसे बोल कभी मत बोल
घावों पर मल्हम बन जायें, ऐसे बोल बड़े अनमोल
कहलाता यह ज्ञान – ओ बाबा, कहलाता यह ज्ञान।। ३।।

माता-पिता, बड़ों का आदर, धर्ममार्ग पर चलो सदा
गुरूजन की नित सेवा करना, श्रावक का कर्त्तव्य कहा
पाओगे सम्मान – ओ बाबा, पाओगे सम्मान।। ४।।

हिंसा, झूठ, कुशील, परिग्रह, चोरी यह मत पाप करो
पाप विनाशक, धर्म प्रकाशक, णमोकार का जाप करो
हो सम्यक् श्रद्धान-ओ बाबा, हो सम्यक् श्रद्धान।।५।।

राग-द्वेष भावों के कारण, भवसागर में डूब रहा
गँवा रहा भोगों में जीवन, मन फिर भी न ऊब रहा
क्यों बनता नादान - ओ बाबा, क्यों बनता नादान।।६।।

जिसको अपना कहा आज तक, हुआ कभी न वह अपना
जिसकी खातिर जिया आज तक, निकला वह सुंदर सपना
क्यों तू करे गुमान - ओ बाबा, क्यों तू करे गुमान।। ७।।

मेंढक ने प्रभु ध्यान किया जब, मर कर देव हुआ तत्काल
समवसरण में प्रभु को ध्याया, जीवन उसका हुआ निहाल
मिट जाये अज्ञान - ओ बाबा, मिट जाये अज्ञान।। ८।।

ऋण मुक्ति का वर दीजिए

–श्रमणाचार्य विमर्शसागर

गुरुदेव मेरे आप बस इतनी वृपा कर दीजिए।
कल्याण अपना कर सकूँ, वरदान इतना दीजिए।।
सोचूँ सदा अपना सुहित नहिं काम क्रोध विकार हो
हे नाथ! गुरू आदेश का पालन सदा स्वीकार हो
सिर पर मेरे आशीष का शुभ हाथ प्रभु धर दीजिए। गुरूदेव.....
दृढ़ शील संयम व्रत धरूँ ब्रह्मचर्य लखूँ सदा
सीता सुदर्शन सम बनूँ निज आत्सौख्य चखूँ सदा
माता सुता बहिता पिता दृष्टि विमल कर दीजिए। गुरूदेव.....
सच्चा समर्पण भाव हो नहिं स्वार्थ की दुर्गन्ध हो
विश्वासघात ना हम करें हर श्वाँस में सौगंध हो
हे नाथ! गुरू विश्वास की डोरी अमर कर दीजिए। गुरूदेव.....

जागें न मन में वासना मन में कषायें न जगें
हो वात्सल्य हृदय सदा कर्त्तव्य से न कभी डिगें।
गुरूभक्ति की सरिता बहे निर्मल हृदय कर दीजिए। गुरूदेव.....
भावों में निश्छलता रहे छल की रहे न भावना
गुरूपादमूल शरण मिले करते हैं हम नित कामना
निधर्म जिन आज्ञा सुगुरू सेवा का अवसर दीजिए। गुरूदेव.....
उपकार जो मुझ पर किये गुरूवर भुला न पायेंगे
जब तक है तन में श्वाँस हम उपकार गुरू के गायेंगे
हम शिष्य हैं गुरू के ऋणी ऋणमुक्ति का वर दीजिए। गुरूदेव...
सम्यक्त्व ज्ञान चरित्र से सुरभित रहे मम साधना
आचार की मर्यादा ही हे नाथ! हो आराधना
स्वर-स्वर समाधिभाव का चिंतन मुखर कर दीजिए। गुरूदेव.....

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरु अठबीस कमूलगुणधारी, आतमध्यान किया करते।
तेरहविध चारित्र पालते, शमरस नित्य पियार करते।
हो निज आतमज्ञान - बाबा - हो निज आतमज्ञान।।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरु चौबीस परिग्रह त्यागी, रागद्वेष नहिं करते हैं।
गुरुवर भेदभाव वेऊ त्यागी, निज अभेद में रहते हैं।
गुरुवर बड़े महान - बाबा - गुरुवर बड़े महान।।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरु इन्द्रिय भोगों के त्यागी, नित्य अतीन्द्रिय भागे करें।
गुरूवर हैं स्वर-पर उपकारी, अपने पर वे रोग हरें।
धन्य भेद - विज्ञान - बाबा - धन्य भेद - विज्ञान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरूवर की उत्वृष्ट तपस्या, सबको तपना सिखलाती।
गुरूवर की उत्वृष्ट साधना, राह मुक्ति की दिखलाती।
गुरूवर हैं भगवान् - बाबा - गुरूवर हैं भगवान्।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरूवर की निर्मल वाणी से, संयम का झरना झरता।
गुरूवर की पावन चर्या से, दोष असंयम खुद डरता।
जैन धर्म की शान - बाबा - जैन - धर्म की शान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरूवर की आँखों में देखों, वात्सल्य लहराता है।
इसीलिये गुरू चरणों का जल, गंधोदक बन जाता है।
गुरू हैं आभावन - बाबा - गुरू हैं आभावान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरूवर का आशीष मिले तो, सबके भाग्य चमकते हैं।
जैसे नभ में सूरज चन्दा, सबसे तेज दमकते हैं।
ज्योर्तिमय गुरू ज्ञान - ज्योतिर्मय गुरू ज्ञान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरूवर के पावन चरणों में, जो भी शीष झुकाते हैं।
सच्ची श्रद्धा के कारण, वे मनबांछित फल पाते हैं।
करते नहीं गुमान - बाबा - करते नहीं गुमान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरूवर ईर्यासमिति से चलते, निरख-निरख पग धरते हैं।
गुरूवर फूलों में काँटो मे, हर्ष-खेद नहिं करते हैं।
जैनधर्म वेऽ प्राण - बाबा - जैन धर्म वेऽ प्राण।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरूवर भाषा समिति पालते, हित-मित वचन बोलते हैं।
भव्यजनों के कर्मबन्ध को, गुरूवर सहज खोलते हैं।
मिट जाता अज्ञान - बाबा - मिट जाता अज्ञान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरू की वीतराग मुद्रा ही, वीतरागता उपजाती।
गुरूवर की जिनमुद्रा लखके, राग परिणति शरमाती।
गुरू का दर्श महान - बाबा - गुरू का दर्श महान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरू में ब्रह्मा, गुरू में विष्णु, गुरू में दिखते शिवशंकर।
गुरूवर को सच्ची श्रद्धा से, देखो लगते तीर्थंकर।
गुरू का हो बहुमान - बाबा - गुरू का हो बहुमान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरू सहते उपसर्ग परीषह, फिर भी आह न करते हैं।
गुरूवर जग में रहकर के भी, जग की चाह न करते हैं।
गुरू हैं मुक्तिगान - बाबा - गुरू हैं मुक्तिगान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरू नाम का सुमरन करते, पाप शमन हो जाते हैं।
गुरूवर का जो ध्यान करें, वे भवसागर तिर जाते हैं।
शिवपथ की पहचान - बाबा - शिवपथ की पहचान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरूवर के शुभ चरण छुये जो, वो पावन हो जायेगा।
जैसे पतझड़ का मौसम, खुद ही सावन हो जायेगा।
गुरू से है उत्थान - बाबा - गुरू से है उत्थान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरूवर जैसा कोई न जग में, दूजा सच्चा साथी है।
गुरू-शिष्य का रिश्ता होता, जैसे दीपक-बाती है।
गुरू से क्या अनजान - बाबा - गुरू से क्या अनजान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरू चरणों में करो समर्पण जीवन यह खिल जायेगा।
गुरूवर के गर साथ चलो तो, लक्ष्य स्वयं मिल जायेगा।
शिष्य खड्ग गुरू म्यान - बाबा - शिष्य खड्ग गुरू म्यान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरू हैं निर्मल ज्ञान समुन्दर, इसमें सभी नहाओ जी।
मिथ्यादर्शन-ज्ञान-चरित जो, आतम मैल हटाओ जी।
पा लो निर्मल ज्ञान - बाबा - पा लो निर्मल ज्ञान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरूवर की करुणा अनुपम है, सब पर सदा बरसती है।
साधर्मी को देख गुरु की, दृष्टि सदा हरषती है।
करुणाभाव महान - बाबा - करुणाभाव महान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर की निष्पृहता सबको, निष्पृहता सिखलाती है।
गुरुवर की मुस्कान सभी के, दुःख और दर्द मिटाती है।
हो सबका कल्याण - बाबा - हो सबका कल्याण।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर की निर्गन्थ अवस्था, अपरिग्रह उपदेश करे।
पद्मासन में बैठे गुरुवर, शान्त चित्त नहिं द्वेष करे।
गुरुवर दया विधान - बाबा - गुरुवर दया विधान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर का बहुमान करोगे, सुख तुम पाओगे।
गुरु-चरणों मे शीष धरोगे, जीवन सफल बनाओगे।
गुरु हैं कृपा निधान - बाबा - गुरु हैं कृपा निधान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर वस्तु उठाते-रखते, प्रथम मार्जन करते हैं।
इसीलिये तो गुरुवर पिच्छी, नित्य हाथ में धरते है।
आतमबोध प्रधान - बाबा - आतमबोध प्रधान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर छियालिस दोष टालते, अन्तराय बत्तीस करें।
समिति एषणा पालन करते, जिन आज्ञा नित शीश धरें।
है जिनलिंग महान - बाबा - है जिनलिंग महान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरु मोहनींद से सबको, नित्य जगाा करते हैं।
गुरुवर ही अज्ञान तिमि को, शीघ्र हटाया करते हैं।।
देते सम्यग्ज्ञान - बाबा - देते सम्यग्ज्ञान।।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

सच्चे गुरु ही सच्च सुख का माग ं दिखाा करते हैं।
सच्चे गुरु ही रत्नत्रय वेक, रत्न लुटाया करते हैं।
गुरु देते निर्वाण - बाबा - गुरु देते निर्वाण।।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर जैसा नूर जगत में, और कहाँ मिल पायेगा।
गुरु की चरण शरण मिल जाये, भाग्य वही कहलायेगा।
गुरुवर हैं वरदान - बाबा - गुरुवर हैं वरदान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर तीन गुप्तियाँ पालें, कर्म खपावें क्षणभर में।
गुरुवर चिदानन्द को पाने, निज को ध्यावें पल-पल में।
गुरु धर्म की आन - बाबा - गुरु धर्म की आन।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर मौन साधना करके, आतम ध्यान बढ़ाते हैं।
आत्मध्यान की अग्नि में, कर्मों का धुआँ उड़ाते हैं।
सिखलाते निज ध्यान - बाबा - सिखलाते निज ध्यान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर शीतल नदी किनारे, ध्यान लगाया करते हैं।
गुरुवर शीतकाल की बाधा, सहज भाव से सहते हैं।
धन्य गुरु का ध्यान - बाबा - धन्य गुरु का ध्यान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर के चरणों की पावन, रज चन्दन बन जाती है।
गुरुवर के शुभ आदर्शों की, दुनिया भी गुण गाती है।
गुरुवर अतिथि महान - बाबा - गुरुवर अतिथि महान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरु चाहे मिट्टी का भी हो, जीवन में आवश्यक है।
गुरु बिन संयम मार्ग न मिलता, गुरु संयम की दस्तक है।
देते नित सद्ज्ञान - बाबा - देते नित सद्ज्ञान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरु नजरों में अरिहन्तों का, नूर दिखाई देता हैं
गुरु-वचनों में दिव्यध्वनि का, पूर दिखाई देता हैं
करलो गुरु श्रद्धान - बाबा - करलो गुरु श्रद्धान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर ने जीता कषाय को, करके निज आतम चिन्तन।
गुरुवर ने पाया स्वभाव को, करके कार्मों का खण्डन।
निश्चय प्रत्याख्यान - बाबा - निश्चय प्रत्याख्यान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर का मन जल सम पावन, कहते हैं सब ही ज्ञानी।
इसीलिये तो गुरु गुण महिमा, गाते हैं सब ही प्राणी।
रहत न व्यवधान - बाबा - रहते न व्यवधान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर द्वादशविध तप करके, खुद को पल-पल तपा रहे।
सत्ता में स्थित कर्मों की, होली गुरुवर जला रहे।
करता नमन जहान - बाबा - करता नमन जहान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर जब सामायिक करते, भगवन् जैसे लगते हैं।
सच पूछो तो गुरुवर हमको, अर्हन जैसे लगते हैं।
शिवपथ के आह्वान - बाबा - शिवपथ के आह्वान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर उत्तम क्षमा पालते, सबको क्षमा सिखाते हैं।
सच पूछो तो क्षमाधर्म का, गुरुवर मान बढ़ाते हैं।
नहीं क्रोध का भान - बाबा - नहीं क्रोध का भान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर मार्दव धर्म पालते, मृदु भावों को रखते हैं।
मान और अपमान में गुरुवर मार्दव धर्म परखते हैं।
रखते दृष्टि समान - बाबा - रखते दृष्टि समान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर आर्जव धर्म पालते, रहते सहज सरल हरपल।
माया की न रहे कुटिलता, आत्मधर्म इनका सम्बल।
आर्जव भाव प्रधान - बाबा - आर्जव भाव प्रधान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर शौच धर्म के पालक, लोभ भाव का त्याग करें।
अन्तर-बाहर वीतरागता, से ही गुरु अनुराग करें।
शुचिता है परिधान - बाबा - शुचिता है परिधान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर सत्यधर्म के पालक, परनिन्दा नहिं करते हैं।
झूठ वचन व कटुक वचन से, दूर सदा ही रहते हैं।
सत्यधर्म की जान - बाबा - सत्यधर्म की जान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर संयमधर्म सदा ही, शुद्ध भाव करवेऊ पालें।
किन्तु असंयम वेऊ भावों पर, कभी नहीं दुष्टि डालें।
संयम ही सम्मान - बाबा - संयम ही सम्मान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर जी तपधर्म पालते, तप करना सिखलाते हैं।
अन्तरंग-बहिरंग तपों से, अपने कर्म खपाते हैं।
करते नहीं निदान - बाबा - करते नहीं निदान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर त्यागधर्म के नायक, रागद्वेष का त्याग करें।
गुरुवर अन्तःकरण शुद्धकर, भोगों का परित्याग करें।
त्यागधर्म बलवान - बाबा - त्यागधर्म बलवान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर आकिंचन्य धर्म को, पालन करते हैं पल-पल।
परभावों में मूर्च्छा तजकर, निज स्वाभाव में रहें अटल।
हों पूरे अरमान - बाबा - हों पूरे अरमान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर ब्रह्मचर्य को पलें, परम्-बह्म में करें रमण।
शुद्धातम का अनुभव करवे, करते चेतनकर्म शमन।
चर्या धर्म प्रधान - बाबा - चर्या धर्म प्रधान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर सबके सूने मन में, दीपक धर्म जलाते हैं।
गुरुवर सम्यग्ज्ञान सुधारस, सबको नित्य पिलाते हैं।
गुरु अमृत की खान - बाबा - गुरु अमृत की खान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर है गंगा का पानी, अन्तकरण विशुद्ध करें।
गुरुवर अपने चिन्तन जल से, हर प्राणी को शुद्ध करें।
गुरु अरिहन्त समान - बाबा -गुरु अरिहन्त समान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुवर विनयभाव को धर के, पंच परमगुरु को ध्यावें।
गु3वर ध्यानलीन होकर के, निज को निज में ही पावें।
गुरु का ध्येये महान - बाबा - गुरु का ध्येये महान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर पारसमणि कहाते, पत्थर को सोना करते।
गुरुवर को पाकर के भविजन, भावसागर को खुद तिरते।
करते मुक्ति प्रदान - बाबा - करते मुक्ति प्रदान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।,

गुरुवर चनदन जैसे शीतल, सबको शीतलता देते।
गुरुवर शरणागत की आधा, क्षणभर में ही हर लेते।
गुरु हैं शीप समान - बाबा - गुरु हैं शीप समान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर निद्राजयी कहाते, किन्तु योगनिद्रा धरते।
मन वच काया को वश करके, आतमध्यान किया करते।
नहीं लेश अभिमान - बाबा - नहीं लेश अभियान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर जैसा तीर्थ जगत में, जिसको भी मिल जाता है।
गुरु का वन्दन अर्चन करके, भवसागर तिर जाता है।
धन्य-धन्य श्रद्धान - बाबा - धन्य-धन्य श्रद्धान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर को जो छू लेता है, वो चन्दन हो जाता हैं
गुरुवर जिको छू लेते हैं, वो क्रुन्दन हो जाता है।
गुरु हैं अतिशयवान - बाबा - गुरु हैं अतिशवान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर को जो याद करेगा, भाग्यवान कहलायेगा।
गुरुवर जिसको याद करें, सौभाग्यवान कहलायेगा।
गुरु आशीष महान - बाबा - गुरु आशीष महान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरु जैसी जागीर मिले तो, जीवन सुखमय हो जाये।
गुरु जैसी तकदीर मिले तो, आतम अनुभव हो जाये।
कर्मबन्ध अवसान - बाबा - कर्मबन्ध अवसान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर है करुणा की मूरत मे, गुरुवर दया के सागर हैं।
गुरुवर हैं मुक्तिपथ नायक, गुरुवर शांति सुधाकर हैं।
आगम चक्षु महान - बाबा - आगम चक्षु महान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर की दृढ़ चर्या लखकर, सब नतमस्तक होते हैं
गुरु चरणों के पावन जल से, पाप मैल को धोते हैं।
गुरु हजैं कीर्तिमान - बाबा - गुरु हैं कीर्तिमान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर कायोत्सर्ग ध्यान में, देह परिग्रह तजते हैं।
हो जाये उपसर्ग अगर तो, चिदानन्द को भजते हैं।
तजते न धर्म-ध्यान - बाबा - तजते न धर्म-ध्यान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर समतारस पीकर वे, समरस बाँटा करते हैं।
गुरुवर तन में रहकर वे भी, चेतना छाँटा करते हैं।
अनुभव धर्म महान - बाबा - अनुभव धर्म महान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर नित आध्यात्म मगन हो, परम समाधि भजते हैं।
परम समाधि में रमकर वे, राग-द्वेष को तजते हैं।
स्वानुभूति वरदान - बाबा - स्वानुभूति वरदान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर जग से न्यारे हैं, फिर भी गुरु का रिश्ता सच्चा।
गुरुवर जग में रहते हैं, फिर भी जग में रिश्ता कच्चा।
गुरु बिन जग सुनसान - बाबा गुरु बिन जग सुनसान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर प्राणीमात्र के प्रति, प्रेमभाव अपनाते हैं।
जो भी आता शरण गुरु की, निज समय उसे बनाते हैं।
पाते क्षायिक ज्ञान - बाबा - पाते क्षायिक ज्ञान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुवर ने ही दुष्कर्मों से, लड़ना सबको सिखलाया।
पुण्य पाप बिन आत्मधर्म से, बढ़ना सबको सिखलाया।
आत्मधर्म महान - बाबा - आत्मधर्म महान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर ने ही जनम-मरण को, दु:ख का कारण बतलाया।
निश्चय व व्यवहार धर्म को, दु:ख निवारण बतलाया।
गुरु है अमिट निशान - बाबा - गुरु है अमिट निशान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर मिलते पुण्य उदय से, अपना पुण्योदय जानो।
गुरुदर्शन से कार्य सफल हो, शुभ निमित्त ऐसा मानो।
गुणों के गुरु उद्यान - बाबा - गुणों के गुरु उद्यान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर के मुख से प्रश्नों के, उत्तर सहज मिला करते।
गरुवाणी सुनकर मन सरसिज, सबके सहज खिला करते।
गुरु ज्ञायक भगवान् - बाबा गुरु ज्ञायक भगवान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर के आने से समझो, ऋतु बसंत आ जाती है।
हर श्रावक की फिर मनरूपी, कोयल कुहु-कुहु गाती है।
सन्त बसन्त समान - बाबा - सन्त बसन्त समान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरु-चरणों से प्रीति करोगे, धर्म-मार्ग को पाओगे।
गुरु-चरणों की भक्ति करोगे, अतिशय पुण्य कमाओगे।
गुरुमहिमा को ज्ञान - बाबा - गुरुमहिमा को जान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर केशलोंच करते जब, मोह लेश नहिं रखते हैं।
गुरुवर अपनी आत्मशक्ति को, उस क्षण स्वयं परखते हैं।
है वैराग्य महान - बाबा - है वैराग्य महान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर सदा दिगम्बर रहते, अम्बर से नहिं राग करें।
गुरुवर धन कंचन भूषण का, आजीवन परित्याग करें।
गुरु निर्मोही जान - बाबा - गुरु निर्मोही जान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर कंचन और काँच में, रखते हैं समभाव सदा।
शत्रु-मित्र में जनम-मरण में, रखते न दुर्भाव कदा।
समता वेऽ सुल्तान - बाबा - समता वेऽ सुल्तान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर मूलाचार पालते, समयसार को ध्याते हैं।
गुरुवर अपने अन्तरंग में, नियमसार को पाते हैं।
चिदानन्द रसपान - बाबा - चिदानन्द रसपान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर मुख से कभी को, खोटे वचन नहीं कहते।
संशययुक्त वचन भी गुरुवर, मुख से कभी नहीं कहते।
वाणी हितकर जान - बाबा - वाणी हितकर जान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर हैं सरिता का पानी, एक जगह नहिं रहते हैं।
जगह-जगह के श्रावक अपना, भाग्य सराहा करते हैं।
करुणाबुद्धि महान - बाबा - करुणाबुद्धि महान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर अपने मनमंदिर में, झाड़ू रोज लगाते हैं।
सामायिकमें रहते गुरुवर, भाव-विभाव हटाते हैं।
गुरु जग से अनजान - बाबा - गुरु जग से अनजान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर आर्त्त-रौद्र को तजकर, धर्मध्यान किया करते।
गुरुवर आतम अनुभूति से, परमानन्द पिया करते।
पाने शुक्ल-ध्यान - बाबा - पाने शुक्ल-ध्यान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर जग की बाधाओं को, हँसकर ही सह लेते हैं।
निन्दक और प्रशंसक को, आशीष धर्म का देते हैं।
होता न मुख म्लान - बाबा - होता न मुख म्लान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर कंकड़-पत्थर में नंगे पैर चला करते।
शीत और गर्मी का बाधा, हँसकर गुरु सहा करते।
अनुभूति बलवान - बाबा - अनुभूति बलवान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर अपने उपदेशों में, जिनवाणी को कहते हैं।
जिओ और जीने दो सबको, हर प्राणी से कहते हैं।
गुरु उपदेश महान - बाबा - गुरु उपदेश महान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर मनमोहक स्तुति से, प्रभुवर का गुणगान करें।
गुरुवर दर्शन ज्ञान चरित, एकत्वभाव से ध्यान करें।
धर्म ही स्वाभिमान - बाबा - धर्म ही स्वाभिमान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर अपने षट्आवश्यक, पालन करते हैं प्रतिदिन।
गुरुवर निज कषाय परिणति को, खंडित करते हैं निशदिन।
गुरुवर न दुर्ध्यान - बाबा - रहता न दुर्ध्यान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर का जीवन दर्शन ही, जिनदर्शन बन जाता है।
गुरुवर का स्वातम चिन्तन ही, स्वातम बोध जगाता है।
गुरु उपकार महान - बाबा - गुरु उपकार महान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर एकासन स्थित हो, एकाशन आहार करें।
धर्म साधना में आगत, बाधाओं का परिहार करें।
लक्ष्य बना निर्वाण - बाबा - लक्ष्य बना निर्वाण।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

लौकिक जन की संगति से, गुरुवर रहते हैं दूर सदा।
किन्तु वैयावृत्ति हेतु, संगति भी करते गुरु कदा।
है यह श्रेष्ठ विधान - बाबा - है यह श्रेष्ठ विधान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर विषयाशा वेरु त्यागी, गुरुवर हैं आरंभरहित।
ज्ञान-ध्यान तपलीन गुरुवर, करते हैं निज पर का हित।
त्याग भाव आसान - बाबा - त्याग भाव आसान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर इच्छाओं को तजकर, निश्चय तप को तपते हैं।
संवर और निर्जरा पथ पर, गुरु अनवरत चलते हैं।
गुरु साधना - बाबा - गुरु साधना महान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर बाल-वृद्ध साधु की, वैयावृत्ति करते हैं।
धर्म और धर्मात्म जीव से, वात्सल्य गुरु धरते हैं।
गुरु का प्रेम महान - बाबा - गुरु का प्रेम महान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरु स्वाध्याय नियम से करके, निज पर का आज्ञान हरें।
गुरुवर निज पर के अनुभव से, सतत् भेदविज्ञान करें।
गुरु दें सच्चा दान - बाबा - गुरु दें सच्चा दान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर कोई हैं जिनकल्पी, कोई स्थविरकल्पी हैं।
किनतु आत्मा के अनुभव में, दोनों ही निर्विकल्पी हैं।
लक्ष्य एक शिवथान - बाबा - लक्ष्य एक शिवथान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरु कुदेव को भय आशा से, कभी नमन नहि करते हैं।
गुरु मिथ्यात्ववर्धिनी किरिया, जीवन में नहिं करते हैं।
सम्यग्दर्शन आन - बाबा - सम्यग्दर्शन आन।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरु अठारह दोष रहित, जो सच्चे देव बताते हैं।
गुरु उनको सर्वज्ञ और हित उपदेशी बतलाते हैं।
सच्चे देव महान - बाबा - सच्चे देव महान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरु को आगम चक्खू साहू, कुन्कुन्द गुरु बतलाते।
गुरु हैं रत्नत्रय आराधक, मुक्ति का पथ बतलाते।
सरस्वती की शान - बाबा - सरस्वती की शान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर की जो विनय पालता, जीवन सहज सँवरता है।
गुरुवर की संगति करने से, धर्मभाव को धरता है।
गुरु है रोशनदान - बाबा - गुरु है रोशनदान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर की चर्या में हरपल, आगम सहज झलकता है।
गुरुवाणी में जिनवाणी का, सागर सहज छलकता है।
चिन्तामणि समान - बाबा - चिन्तामणि समान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर साधर्मी को लखकर, मन्द-मन्द मुस्काते हैं।
किन्तु घृणा का भाव हृदय में, गुरुवर कभी न लाते हैं।
आगम वेऽ विद्वान - बाबा - आगम वेऽ विद्वान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर की वैयावृत्ति से, अशुभ कर्म कट जाते हैं।
गुरुचरणों की पावन राज से, संकट भी हट जाते हैं।
भक्तों के भगवान् - बाबा - भक्तों के भगवान्।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर पंथ भेद से हटकर, मोक्षपंथ को अपनाते।
पंथभेद में जो उलझे हैं, वे निर्ग्रंथ न कहलाते।
आदर्शों की खान - बाबा - आदर्शों की खान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।

गुरुवर स्वयं साधना करते, शिष्यों से करवाते हैं।
गुरुवर दृढ़ अनुशासन रखते, कभी नहीं घबराते हैं।
गुरु वुम्हार समान - बाबा - गुरु वुम्हार समान।

कर लो गुरु गुणगान - बाबा - कर लो गुरु गुणगान।
गुरु गुणों की खान - बाबा - गुरु गुणों की खान।।